कानपुर, मंगलवार, 19 मई, 2026
वर्ष: 03, अंक: 123, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

मूल्य: 2 ₹

इनसाइड 23 की उम्र में ब्रिटेन के मेयर बने तुषार...
>Pg12

केडीए की नीति का फायदा उठा रहे बेईमान...
>Pg03

पश्चिम बंगाल की फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान से पहले टीएमसी को बड़ा झटका

चुनाव मैदान से भागा 'पुष्पा'

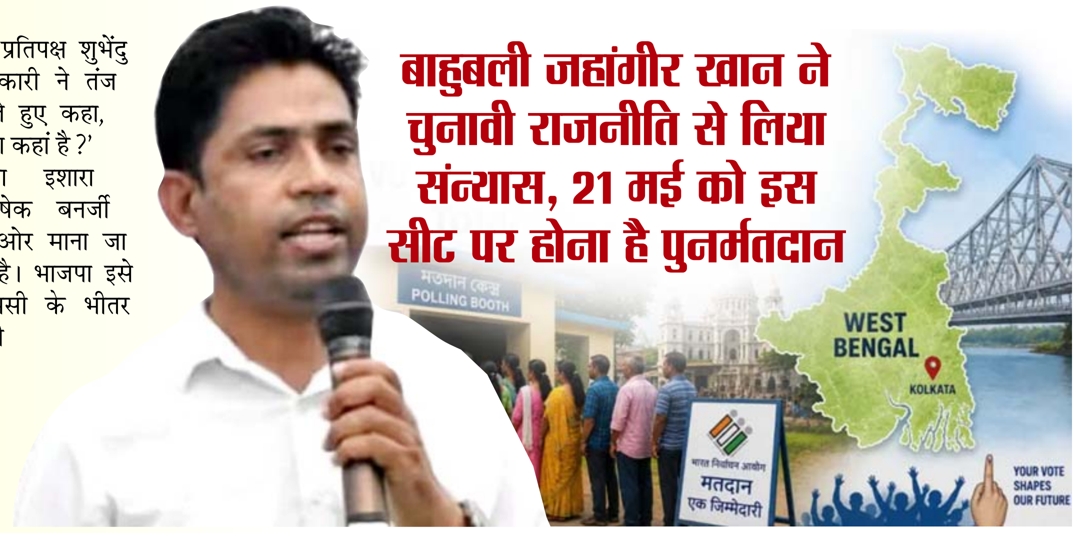

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की फाल्टा विधानसभा सीट पर होने वाले पुनर्मतदान से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी उम्मीदवार और चर्चित बाहुबली नेता जहांगीर खान ने चुनावी मैदान छोड़ने का ऐलान करते हुए साफ कर दिया कि अब वह भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनके इस फैसले ने बंगाल की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। जहांगीर खान को तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता रहा है। ऐसे में उनके अचानक पीछे हटने को सिर्फ व्यक्तिगत फैसला नहीं, बल्कि बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

फाल्टा विधानसभा सीट डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। यहां मतदान प्रक्रिया को लेकर लगातार विवाद सामने आए थे। विपक्षी दलों ने चुनावी धांधली, बूथ कब्जाने और मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप लगाए थे। इन शिकायतों के बाद निर्वाचन आयोग ने पुनर्मतदान कराने का फैसला किया। 21 मई को होने वाले इस पुनर्मतदान से पहले इलाके में चुनाव प्रचार तेज हो गया है, लेकिन टीएमसी के बड़े नेताओं की दूरी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सौमिक भट्टाचार्य ने चुनाव प्रचार के दौरान सवाल किया कि आखिर अभिषेक बनर्जी फाल्टा से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने तंज कसते हुए कहा, 'पुष्पा कहां है?' उनका इशारा अभिषेक बनर्जी की ओर माना जा रहा है। भाजपा इसे टीएमसी के भीतर बढ़ती असहजता और अंदरूनी संकट का संकेत बता रही है।

जहांगीर खान पहले भी विवादों में रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा के साथ तीखी बहस और टकराव राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना था। उस घटना के बाद उनकी छवि एक आक्रामक और प्रभावशाली स्थानीय नेता के रूप में बनी थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे नेता का अचानक राजनीति से संन्यास लेना सामान्य घटना नहीं है।

फाल्टा उपचुनाव अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह टीएमसी और भाजपा के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई में बदलता दिखाई दे रहा है। एक ओर टीएमसी इस सीट को बचाने की कोशिश में जुटी है, तो दूसरी ओर भाजपा इसे बंगाल की बदलती राजनीतिक हवा का संकेत बताकर बड़ा मुद्दा बना रही है। जहांगीर खान के हटने से टीएमसी के स्थानीय संगठन पर असर पड़ने की संभावना भी जताई जा रही है।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि क्या यह फैसला दबाव में लिया गया है या फिर पार्टी के भीतर चल रही रणनीतिक खींचतान का परिणाम है। हालांकि टीएमसी की ओर से अभी तक इस पूरे घटनाक्रम पर कोई औपचारिक और विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन इतना तय है कि फाल्टा का पुनर्मतदान अब पूरे राज्य की राजनीति का केंद्र बन चुका है।

- फाल्टा सीट दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित है।
- यह इलाका लंबे समय से टीएमसी का मजबूत गढ़ माना जाता है।
- डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से अभिषेक बनर्जी सांसद हैं।
- बंगाल में पुनर्मतदान की घटनाएं अक्सर राजनीतिक विवाद का कारण बनती रही हैं।
- भाजपा पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण बंगाल में तेजी से संगठन बढ़ा रही है।
- शुभेंदु अधिकारी पहले टीएमसी में थे, बाद में भाजपा में शामिल हुए।
- बंगाल की राजनीति में स्थानीय बाहुबली नेताओं का प्रभाव काफी अहम माना जाता है।
- चुनाव आयोग ने हाल के वर्षों में बंगाल में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई है।
- आईपीएस अजय पाल शर्मा कई हाई-प्रोफाइल मामलों को लेकर चर्चा में रहे हैं।
- फाल्टा उपचुनाव को 2026 विधानसभा चुनाव के ट्रेंड से जोड़कर देखा जा रहा है।

क्यों अहम है फाल्टा सीट?

- फाल्टा सीट डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र में आती है
- यह क्षेत्र अभिषेक बनर्जी का राजनीतिक गढ़ माना जाता है
- यहां का परिणाम टीएमसी की संगठनात्मक ताकत का संकेत देगा
- भाजपा इसे 2026 की रणनीति से जोड़कर देख रही है

जहांगीर खान के हटने के मायने

- स्थानीय वोट बैंक पर असर पड़ सकता है
- टीएमसी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति बन सकती है
- विपक्ष को आक्रामक प्रचार का मौका मिला
- पुनर्मतदान की दिशा और परिणाम दोनों प्रभावित हो सकते हैं

भाजपा क्यों बना रही बड़ा मुद्दा?

- भाजपा टीएमसी में अंदरूनी असंतोष दिखाना चाहती है
- अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी को राजनीतिक संदेश बताया जा रहा
- बंगाल में कानून-व्यवस्था और चुनावी हिंसा को फिर उछाला जा रहा
- उपचुनाव को मनोवैज्ञानिक लड़ाई बनाया जा रहा है

युद्ध की आग में झुलसी जेब, पांच दिन में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

पश्चिम एशिया संकट का असर भारत पर गहराया, ईंधन महंगा होने से महंगाई बढ़ने की आशंका तेज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर अब सीधे भारतीय बाजार और आम लोगों की जेब पर दिखाई देने लगा है। पांच दिन के भीतर दूसरी बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है। तेल कंपनियों द्वारा जारी नए आदेश के मुताबिक पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। नई दरें मंगलवार से लागू होंगी। इसके बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 98.64 रुपये और डीजल 91.58 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को भी पेट्रोल और डीजल के दाम में करीब तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बड़ी वृद्धि की गई थी।

सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार देर रात पेट्रोल पंप संचालकों को नई कीमतों की जानकारी भेजी। इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसी कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इसके कारण उत्पादन लागत और बिक्री मूल्य के बीच अंतर तेजी से बढ़ा है। कंपनियों का कहना है कि यदि वैश्विक हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो आने वाले दिनों में कीमतों में और इजाफा हो सकता है।

लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पेट्रोल और डीजल महंगे होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी, जिसका असर खाने-पीने की वस्तुओं, सब्जियों, दूध, दवाइयों और रोजमर्रा के सामानों की कीमतों पर पड़ सकता है। रोजाना लंबी दूरी तय करने वाले नौकरीपेशा लोगों, ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और छोटे व्यापारियों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ने की आशंका है।

देश के कई हिस्सों में पेट्रोल पंपों पर 'पेट्रोल नहीं है' जैसे बोर्ड भी दिखाई देने लगे हैं। इससे संभावित ईंधन संकट की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई जगह लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवाने पहुंच रहे हैं, जिससे पंपों पर भीड़ बढ़ने लगी है।

हालांकि तेल कंपनियों ने फिलहाल किसी बड़े संकट से इनकार किया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ने की स्थिति में आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो आने वाले समय में महंगाई दर पर भी दबाव बढ़ सकता है। इससे सरकार और आम जनता दोनों के सामने नई आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं।

केडीए का अवैध निर्माणों पर बड़ा एक्शन, 4 भवन सील

चमनगंज और बेकनगंज क्षेत्र में बिना मानचित्र बन रहे निर्माणों पर चली कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन जोन-1ए क्षेत्र में चार भवनों को सील कर दिया। बिना स्वीकृत मानचित्र कराए कराए जा रहे बहुमंजिला निर्माणों पर प्राधिकरण की टीम ने सख्त रुख अपनाते हुए मौके पर पहुंचकर सीलिंग की कार्रवाई की।

यह कार्रवाई केडीए उपाध्यक्ष अंकुर कौषिक एवं सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर की गई। प्रवर्तन जोन-1ए के अंतर्गत प्राधिकरण अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया।

केडीए की टीम ने चन्द्र नगर, डालेलपुरवा और नाला रोड चमनगंज क्षेत्र में अवैध रूप से खड़े किए जा रहे भवनों को सील किया। इनमें कबीर जैदी व अन्य द्वारा प्लॉट संख्या 46 आईडियल कामाउण्ड चन्द्र नगर, मो. मतिउल्लाह व अन्य द्वारा प्लॉट संख्या 89/5 डालेलपुरवा, मो. फिरोज व अन्य द्वारा प्लॉट संख्या 99/233 (पार्ट) नाला रोड चमनगंज तथा मो. ताहिर द्वारा प्लॉट संख्या 99/171 (पार्ट) नाला रोड स्थित निर्माण शामिल हैं।

प्राधिकरण के अनुसार इन भवनों का निर्माण बिना स्वीकृत मानचित्र के कराया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान लगभग 100 से 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल तक के निर्माणों को सील किया गया।

सीलिंग अभियान के दौरान अवर अभियंता अर्पण सिंह, संतोष कुमार गौड़, सुपरवाइजर प्रभाकर शर्मा, दिनेश कुमार, घनश्याम, धर्मराज, प्रेम नारायण मिश्र, सुनील समेत प्राधिकरण के सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे।

प्रवर्तन जोन-1ए के प्रभारी अधिकारी अतुल कुमार राय ने आमजन से अपील की है कि भवन निर्माण से पहले प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत अवश्य कराएं.

अनावश्यक चेन पुलिंग पर रेलवे सख्त, साढ़े चार माह में 1359 गिरफ्तार

» कानपुर सेंट्रल में सबसे ज्यादा कार्रवाई, यात्रियों से नियमों के पालन की अपील

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। ट्रेनों के सुचारू संचालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज मंडल रेल प्रशासन ने अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) करने वालों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। 1 जनवरी 2026 से 15 मई 2026 तक मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कुल 1359 लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

रेल प्रशासन के अनुसार जनवरी में 274, फरवरी में 244, मार्च में 341, अप्रैल में 318 तथा मई में अब तक 182 लोगों को पकड़ा गया। स्टेशनवार कार्रवाई में कानपुर सेंट्रल सबसे ऊपर रहा, जहां 195 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा टूंडला में 144, इटावा में 106, प्रयागराज जंक्शन में 101, नैनी में 96, अलीगढ़ में 90 और फतेहपुर में 86 लोगों पर कार्रवाई हुई।

मिर्जापुर, फफूंद, शिकोहाबाद, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, मानिकपुर, हाथरस, फिरोजाबाद, चुनार, खुर्जा, पनकी धाम और कानपुर अनवरगंज समेत कई स्टेशनों पर भी अभियान चलाया गया। जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने यात्रियों से अपील की कि बिना आपात स्थिति के चेन पुलिंग न करें। उन्होंने कहा कि यह दंडनीय अपराध है, जिससे ट्रेनों की समयबद्धता प्रभावित होती है और यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ती है।

वृद्ध अधिकार अभियान का आगाज, बुजुर्गों को मिलेगा निःशुल्क विधिक परामर्श

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को फेडरेशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (फिजा) एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से पी रोड स्थित बाल समाज विद्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ÷वृद्ध अधिकार अभियान÷ की शुरुआत की गई।

गोष्ठी का शुभारंभ कर्मचारी नेता बीएन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने बुजुर्गों की समस्याओं, उनके अधिकारों और समाज में उनकी उपेक्षा जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

फिजा के अध्यक्ष शांतनु चैतन्य ने कहा कि माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 की जानकारी अधिकांश लोगों को नहीं है, जिसके चलते बुजुर्गों का शोषण और उत्पीड़न लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि फिजा द्वारा शुरू किया गया यह अभियान बुजुर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उन्हें न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

फिजा के उपाध्यक्ष एडवोकेट सुयश श्रीवास्तव ने अधिनियम की कानूनी बारीकियों की जानकारी देते हुए कहा कि संगठन की ओर से बुजुर्गों को निःशुल्क विधिक परामर्श और कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज उठा सकें।

सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बीएल गुलाबिया ने कहा कि संगठन बुजुर्गों और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करता रहेगा।

कार्यक्रम में भूपेश अवस्थी, अनुज निगम, अत्रि पाण्डेय, सत्यम सैनी, ऋषि मोहन, अशोक कुमार मिश्रा, साहबदीन यादव, सुनील सुमन, भोलानाथ पाल, स्नेहलता लाल, आलोक श्रीवास्तव और इंद्रजीत सिंह गिल समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

केडीए की नीति का फायदा उठा रहे बेईमान

सावधान! नोटरी पर भवन व भूखण्ड खरीदना पड़ रहा है भारी

विशेष खबर

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। अगर आप कानपुर नगर में नोटरी या साधारण एग्रीमेंट के भरोसे किसी भवन, भूखंड या कॉलोनी में संपत्ति खरीदने की सोच रहे हैं, तो अब सावधान हो जाइए।

शहर में जमीनों और मकानों की दिनोंदिन आसमान छूती कीमतों ने कई मूल आवंटियों और उनके उत्तराधिकारियों की नियत बिगाड़ दी है। सालों पहले नोटरी के माध्यम से अपनी सम्पत्ति बेच चुके लोग

या उनके वारिस अब मुकर रहे हैं, जिससे शहर में कालोनियों, भवनों एवं भूखंडों से जुड़े विवाद चर्चा का विषय बन चुके हैं. सूत्रों और हाल ही में प्रकाश में आए कई मामलों के अनुसार, कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की कुछ नीतियों का फायदा उठाकर मूल आवंटी या उनके कानूनी वारिस अब बेईमानी पर उतारू हैं। सालों पहले मोटी रकम लेकर मूल प्रपत्र, रसीदें एवं भौतिक कब्जा सौंपने के बावजूद, आज की बढ़ी हुई कीमतों को देखकर उनके मन में लालच आ गया है। नतीजन वो अतीत में की गई साधारण नोटरी अनुबंध एवं अन्य कागजात पर किए गए वादे को मानने से इनकार कर रहे हैं और संपत्ति पर अपना दोबारा हक जता रहे हैं।

वर्षों पुराने मामलों में अब खड़ा हो रहा विवाद

ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं जिनमें 10, 15 या 20 साल पहले नोटरी के जरिए क्रय-विक्रय (खरीद-बिक्री) की गई थी। उस समय कम कीमतों पर बेची गई संपत्तियों की कीमत आज लाखों में पहुंच चुकी है। अब मूल आवंटियों के उत्तराधिकारी यह दावा कर रहे हैं कि उनके माता-पिता या पूर्वजों ने कभी जमीन बेची ही नहीं थी, वहीं अधिकारी भी यही दलील देते हैं कि साधारण नोटरी अनुबंध की कोई कानूनी मान्यता नहीं है। इस कानूनी पेंच का फायदा उठाकर वे खरीदारों को प्रताड़ित कर रहे हैं।

- मूल आवंटियों की बदली 'नियत' से बढ़े विवाद।
- अधिकारियों की एकतरफा कार्यशैली से पीड़ितों को नहीं मिल रहा न्याय।
- दर-दर भटकने को मजबूर हैं पीड़ित।

अधिकारियों की कार्यशैली पर उठे सवाल

पीड़ितों का आरोप है कि इस पूरे खेल में प्राधिकरण के अधिकारियों का रवैया भी बेहद निराशाजनक है। पीड़ितों का आरोप है कि प्राधिकरण में होने वाली सुनवाइयों में %एकतरफा% रुख अपनाया जा रहा है। बिना जमीनी हकीकत और सालों पुराने कब्जों को देखे, अधिकारी कागजी तकनीकी कमियों का हवाला देकर मूल आवंटियों के पक्ष में फैसला झुका रहे हैं। अधिकारियों की इसी अनदेखी और एकपक्षीय कार्यशैली के चलते शातिरों, जालसाजों और बेईमानों के हौसले बुलंद हैं।

दर-दर भटकने को मजबूर कब्जाधारक

अपनी जीवनभर की गाढ़ी कमाई लगाकर घर खरीदने वाले पीड़ित कब्जाधारक आज सिस्टम के सामने बेबस दिख रहे हैं। मूल प्रपत्रों की फाइल थामे, दफ्तरों के चक्कर काट रहे पीड़ितों का कहना है कि वे अपनी ही संपत्ति बचाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। अदालत की चौखट पर जाने पर सिर्फ तारीखें मिल रही हैं। वहीं अगर अदालत से प्रभावी आदेश न हो, प्राधिकरण के अधिकारी भी अपनी मनमानी दिखाते हैं।

साधारण नोटरी नहीं, रजिस्टर्ड कागजात ही है सुरक्षित

कानूनी जानकारों का कहना है कि नोटरी या 100-500 के स्टांप पर किया गया समझौता मालिकाना हक का पुख्ता सबूत नहीं माना जाता। यदि आप कोई संपत्ति खरीद रहे हैं, तो केवल और केवल उपनिबंधक (सब-रजिस्ट्रार) कार्यालय में जाकर पक्की रजिस्ट्री (स्ड्डद्यद्ग ष्ठद्गद्गस्र) / अनुबंध कराएं और प्राधिकरण के रिकॉर्ड में जरूर दर्ज कराएं, ताकि भविष्य में इस तरह की धोखाधड़ी से बचा जा सके।

काoविoप्राo

> ऐसे मामलों में जांच परख कर ही कार्यवाई होती है, कई बार लोगों की नीयत खराब होने के विवाद के हालात हो जाते हैं. कर्मचारियों को भी निर्देशित किया गया है कि ऐसे मामलों में बहुत ही सावधानी पूर्वक निर्णय के साथ कार्य करें.
>
> अभय पांडेय. सचिव केडीए

दबंगों ने सीसी सड़क किनारे खोदे गहरे गड्ढे, ग्रामीणों में दहशत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर थाना क्षेत्र के प्रसद्धापुर गांव में दबंगों द्वारा सीसी सड़क किनारे जेसीबी से गहरे गड्ढे खोदे जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क किनारे मिट्टी का अवैध खनन कर सड़क को नुकसान पहुंचाया गया है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद राजस्व टीम ने गांव पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

» विरोध करने पर दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी का आरोप

» शिकायत पर राजस्व टीम ने की जांच, पुलिस अधिकारियों ने दिए कार्रवाई के निर्देश

ग्रामीणों के मुताबिक गांव में करीब दस वर्ष पहले आम लोगों की सुविधा के लिए सीसी सड़क का निर्माण कराया गया था। समय के साथ सड़क के दोनों ओर कुछ प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर लिया। आरोप है कि हाल ही में कुछ दबंगों ने जेसीबी मशीन लगाकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे खुदवा दिए और वहां से मिट्टी उठाकर ले गए। इससे सड़क की नींव कमजोर हो रही है और बरसात के मौसम में सड़क धंसने की आशंका बढ़ गई है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के किनारे बने गहरे गड्ढों के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों और किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय दुर्घटना की संभावना और बढ़ जाती है। गांव के लोगों ने जब इसका विरोध किया तो एक दबंग की बेटी पर विरोध करने वालों को छेड़छाड़ और दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया गया। इससे ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है।

मामले की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से किए जाने के बाद नायब तहसीलदार अकबरपुर के निर्देश पर लेखपाल अनुज प्रताप गांव पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से पूछताछ कर अपनी रिपोर्ट तहसील प्रशासन को सौंप दी है। वहीं अपर पुलिस महानिदेशक और डीआईजी रेंज स्तर से भी मामले को गंभीरता से लेते हुए कानपुर देहात पुलिस को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात ने बताया कि अकबरपुर पुलिस को राजस्व विभाग के साथ समन्वय बनाकर जांच करने तथा तथ्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

ईएसआई अस्पताल कर्मचारी यूनियन ने निदेशक से की वार्ता, त्रैमासिक बैठक पर बनी सहमति

» कर्मचारी हितों और चिकित्सा सुविधाओं में सुधार को लेकर यूनियन प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा प्रस्ताव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बीमा हॉस्पिटल चिकित्सालय के निदेशक को ज्ञापन देते कर्मचारी नेता

कानपुर। कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल कर्मचारी यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल यूनियन अध्यक्ष पी.वाई. बाजपेई के नेतृत्व में राज्य बीमा श्रम चिकित्सालय के निदेशक बसंत अग्रवाल (आईएएस) से सर्वोदय नगर स्थित कार्यालय में मिला। बैठक में यूनियन की विभिन्न मांगों और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

यूनियन के महामंत्री उमेश कुमार शुक्ला ने निदेशक को बताया कि श्रम कानून के तहत यूनियन के साथ त्रैमासिक बैठक होना अनिवार्य है, लेकिन काफी समय से यह बैठक नहीं हो रही है। इस पर निदेशक बसंत अग्रवाल ने तत्काल निर्देश जारी करते हुए भविष्य में नियमित रूप से त्रैमासिक बैठक आयोजित कराने का आश्वासन दिया।बैठक के दौरान यूनियन ने संगठन के सुचारु संचालन के लिए एक कक्ष आवंटित करने की मांग भी रखी। निदेशक ने नियमों के अनुरूप सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और पात्रता होने पर कार्यालय हेतु कमरा उपलब्ध कराने की बात कही। यूनियन अध्यक्ष पीवाई बाजपेई ने कहा कि अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं में व्यापक सुधार की जरूरत है, ताकि बीमित कर्मचारियों को बेहतर इलाज मिल सके। बैठक में सौरभ कुमार, नीरज कुमार, अख्तर परवेज, रंजीत पाल और सुनील गुप्ता भी मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

प्रेरणा दिवस पर सत्संग का आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। संत निरंकारी मिशन द्वारा झींझक में प्रेरणा दिवस के अवसर पर सत्संग समारोह आयोजित किया गया। प्रचारक महात्मा संतोष चौहान ने कहा कि सच्ची भक्ति सद्गुरु के चरणों से ही प्राप्त होती है और निष्काम भक्ति करने से ही उसका फल मिलता है।उन्होंने कहा कि सतगुरु के चरणों से बढ़कर कोई तीर्थ नहीं है। सत्संग मनुष्य को सत्य और परमात्मा से जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि गुरु के ज्ञान से मनुष्य अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता है और जीवन में सुख, शांति व आनंद की अनुभूति प्राप्त करता है।

उन्होंने कहा कि सत्संग से मनुष्य को ब्रह्म ज्ञान प्राप्त होता है और वह सत्य मार्ग पर चलने लगता है। उन्होंने निरंकारी बहन के प्रेरणा दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने गुरु के आदेशों का पालन करते हुए दूसरों को भी प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन बहन सिमरन ने किया। इस अवसर पर बृजेश वर्मा, एसके सिंह, सुरेश गुप्ता, नेताजी जगन्नाथ सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

ट्रिपिंग और बिजली समस्याओं को लेकर पार्षद अर्पित यादव ने केस्को एमडी को सौंपा ज्ञापन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बर्रा क्षेत्र में लगातार बढ़ रही बिजली समस्याओं को लेकर पार्षद अर्पित यादव ने केस्को की प्रबंध निदेशक नेहा जैन से मुलाकात कर क्षेत्रवासियों की परेशानियों से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए ज्ञापन भी सौंपा।

पार्षद अर्पित यादव ने बताया कि विश्व बैंक ई ब्लॉक, डी ब्लॉक, एच एवं एच-1 ब्लॉक के साथ-साथ बर्रा 8 ए और बी ब्लॉक में ओवरलोडिंग के कारण आए दिन बिजली ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती है। गर्मी के मौसम में लगातार हो रही बिजली कटौती और फॉल्ट से आम जनता को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि सभी प्रभावित ब्लॉकों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जाएं, जिससे विद्युत लोड नियंत्रित हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

इसके साथ ही उन्होंने विश्व बैंक बर्रा सी ब्लॉक स्थित केसा सबस्टेशन में नया हेल्पडेस्क खोले जाने की मांग उठाई। पार्षद ने कहा कि वर्तमान में लोगों को शिकायत और बिजली संबंधी कार्यों के लिए रतनलाल नगर और बसंत विहार नौबस्ता तक जाना पड़ता है, जिससे क्षेत्रीय जनता को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ती है। स्थानीय स्तर पर हेल्पडेस्क खुलने से उपभोक्ताओं को त्वरित सुविधा मिल सकेगी।

पार्षद ने यह मुद्दा भी उठाया कि केईआई कंपनी द्वारा नए बिजली खंभे लगाए जाने के बाद भी पुराने खंभे नहीं हटाए गए हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है और आवागमन में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने पुराने खंभों को तत्काल हटवाने की मांग की।

केस्को एमडी नेहा जैन ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। क्षेत्रवासियों ने पार्षद द्वारा उठाए गए मुद्दों की सराहना करते हुए जल्द समाधान की उम्मीद जताई।

सम्पादकीय

खतरनाक बायोमेडिकल कचरे से खिलौने

इंसानी जीवन मूल्यों में किस हद तक गिरावट आई है कि कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये दूसरे लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते। अब चाहे सुकोमल व बीमारियों के संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील छोटे बच्चे ही क्यों न हों। निस्संदेह, जीवनदायिनी दूध में मिलावट, इंजेक्शन लगे फल-सब्जी तथा नकली दवाइयों का कारोबार जैसे घातक कृत्य से मुनाफा कमाने में लगे लोगों की मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं। कल्पना करें कोई बीमार व्यक्ति सेहत के लिये दूध का सेवन करे और उसे रासायनिक पदार्थों से मिला दूध मिले तो वह स्वस्थ होने के बजाय बीमार ही हो जाएगा। ऐसा ही नकली-मिलावटी दवाइयों के बाबत कहा जा सकता है कि कोई बीमारियों से मुक्त होने हेतु दवा खरीदे और उसे नकली दवाइयां बेच दी जाएं। लेकिन इससे भी घातक वह कुकृत्य है जिसमें पंजाब में बायोमेडिकल कचरे की अवैध रीसाइक्लिंग से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दुखद ही है कि अस्पतालों और ब्लड बैंकों से एकत्र खतरनाक बायोमेडिकल कचरे को निर्धारित नियमों को ताक में रखकर रीसाइक्लिंग के लिये भेजा जा रहा था। जबकि सख्त नियमों के अंतर्गत प्रावधान है कि बायोमेडिकल कचरे को अनिवार्य रूप से नष्ट किया जाना चाहिए। खबरें तो ऐसी भी आई हैं कि बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल,जानलेवा अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं।निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं। कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये यह जानलेवा काम कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह कि नियामक तंत्र की मौजूदगी में ये खेल कैसे चल रहा था

उल्लेखनीय है कि पंजाब में अमृतसर, लुधियाना,मुक्तसर,मोहली, नकोदर और पठानकोट में छह बोयोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट की सुविधाएं मौजूद हैं। इन सभी यूनिटों द्वारा हर दिन बीस हजार किलोग्राम बायोमेडिकल कचरे का निस्तारण किया जाता है। जिसकी निगरानी के लिये पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एक बारकोडिंग प्रणाली के जरिये जानकारी जुटाता है। इतना ही नहीं, कचरा ढोने वाले वाहनों की ट्रैकिंग और अन्य जानकारियां ऑनलाइन अपलोड की जाती हैं। स्पष्ट है कि मानव स्वास्थ्य के लिये घातक कचरे को वैध निपटान प्रक्रिया से गुजारने के बजाय मुनाफे के लिये बाजार में बेच दिया गया। कहना कठिन है कि यह खतरनाक खेल कब से चल रहा था और न जाने कितने लोगों को घातक संक्रमण का शिकार बना दिया गया होगा।

चीन की बढ़ती संवाद-प्रक्रिया के साइड इफेक्ट्स

के.एस तोमर

अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्तियाँ हैं। इनके संबंधों का असर लगभग हर देश पर पड़ता है। ऐसे में यदि दोनों के बीच व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और कूटनीति पर समझ बढ़ती है, तो वैश्विक तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। साथ ही दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर लाजिमी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हाल में ही बढ़ती संवाद-प्रक्रिया और संभावित रणनीतिक समझौते को दुनिया बेहद गंभीरता से देख रही है, क्योंकि बदलती वैश्विक दुनियादारी और नवमहत्वाकांक्षी देशों-गुटों की मतलबी कूटनीति-अर्थनीति से अमेरिका-चीन दोनों की अंतरराष्ट्रीय बादशाहत खतरे में है। आखिर जब एक तरफ रूस और भारत अपनी दशकों पुरानी मित्रता पर अडिग हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोप भी अपने पुराने सम्बन्धों को तरोताजा कर रहे हैं, जो कि अमेरिकी डीप स्टेट की बिल्कुल नई बिसात है।देखा जा रहा है कि भारत की चतुराई और रूस की दृढ़ता से अमेरिका अपने ही बुने हुए जाल में फंसकर तड़फड़ा रहा है। वहीं, रूस-चीन की समझदारी से पश्चिमी एशिया में जो अमेरिका की फजीहत हुई है, उसके बाद अब चीन के समक्ष हथियार डालने के अलावा उसके पास कोई चारा भी नहीं बचा है। चूंकि ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के फार्मूले पर काम कर रहा हैं और रूस, भारत, फ्रांस, ब्राजील, जापान ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिए हैं, ऐसे में पाकिस्तान को साधकर अरब में अपनी इज्जत बचाना और चीन के दरबार में हाजिरी लगाने के अलावा उनके पास कोई चारा भी नहीं बचा हुआ था।ऐसे में यदि अमेरिका और चीन के बीच टकराव कुछ कम होता है और ÷नई दोस्ती÷ या व्यावहारिक सहयोग बढ़ता है, तो इसके वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। चूंकि दोनों देश पहले भी एक दूसरे के करीब रहे हैं, इसलिए उनके बीच कूटनीतिक प्रेम की पहल अमेरिकी की भूल सुधार रणनीति समझी जानी चाहिए और अपने उद्देश्य में ट्रंफ सफल प्रतीत हो चुके हैं। हालांकि यह भविष्य के गर्त में है कि चीनी चाकरी अमेरिका कहाँ तक कर पाएगा।समझिए,अमेरिका-चीन रिश्तों में नरमी क्यों महत्वपूर्ण हैअमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्तियाँ हैं। इनके संबंधों का असर लगभग हर देश पर पड़ता है। ऐसे में यदि दोनों के बीच व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और कूटनीति पर समझ बढ़ती है, तो वैश्विक तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। साथ ही दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर लाजिमी है।पहला, वैश्विक बाजारों में स्थिरता- अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध कम होने पर शेयर बाजारों और निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है। सप्लाई चेन संकट कम हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्र को राहत मिल सकती है।दूसरा, तेल और ऊर्जा बाजार- यदि दोनों देश सहयोग करते हैं, तो वैश्विक ऊर्जा कीमतों में अनिश्चितता कम हो सकती है। मध्य पूर्व में तनाव कम कराने के लिए संयुक्त दबाव बन सकता है।तीसरा, डॉलर बनाम युआन- चीन लंबे समय से डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को चुनौती देना चाहता है। ऐसे में अगर रिश्ते सुधरते हैं, तो अमेरिका कुछ आर्थिक संतुलन के साथ चीन को सीमित छूट दे सकता है, लेकिन डॉलर की केंद्रीय भूमिका तुरंत कमजोर नहीं होगी।चतुर्थ, रूस, यूरोप और भारत पर प्रभाव- जहां तक रूस की बात है कि रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के लिए यह स्थिति मिश्रित हो सकती है। यदि अमेरिका और चीन करीब आते हैं, तो रूस की सामरिक उपयोगिता कुछ घट सकती है। लेकिन चीन रूस को पूरी तरह छोड़ने की स्थिति में नहीं होगा, क्योंकि उसे ऊर्जा और सैन्य संतुलन की जरूरत है।वहीं, जहां तक यूरोप की बात है तो यूरोपीय देश राहत महसूस करेंगे क्योंकि अमेरिका-चीन तनाव से वैश्विक व्यापार प्रभावित हो रहा था। लेकिन यूरोप को डर रहेगा कि कहीं अमेरिका चीन के साथ सौदेबाजी में यूरोपीय हितों को पीछे न छोड़ दे।

सुपरफूड बनते ही खास हो जाता है आम का खाना

पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री द्वारा खरीदने से झालमूड़ी चर्चा में है, चिंता है कि कहीं अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियां इसे सुपरफूड न साबित कर दें। जैसे ही किसी खाद्य पदार्थ को सुपरफूड घोषित किया जाता है, वह अक्सर आम आदमी की पहुंच से...पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री द्वारा खरीदने से झालमूड़ी चर्चा में है, चिंता है कि कहीं अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियां इसे सुपरफूड न साबित कर दें।

जैसे ही किसी खाद्य पदार्थ को सुपरफूड घोषित किया जाता है, वह अक्सर आम आदमी की पहुंच से दूर हो जाता है। हरियाणा में रहने वाले निकट के परिवार की बहू का बचपन कोलकाता में बीता है। गुड़गांव में एक बहुराष्ट्रीय निगम में काम करती है, लेकिन नाश्ते में उसकी पहली पसंद झालमूड़ी है। एक बार बहुत साल पहले कोलकाता गई थी, तो झाझा स्टेशन पर लौकी के बराबर का खीरा और झालमूड़ी भी खाई थी। यह इतनी पसंद आई कि कोलकाता में हर दिन इसे खाती रही। यों भी कोलकाता में शाकाहारियों के लिए जगह-जगह मिलता यह खाद्य पदार्थ बहुत सुविधाजनक भी होता है। बंगाल के अलावा बिहार, झारखंड, उड़ीसा, महाराष्ट्र आदि में भी यह लोकप्रिय खाना है। सड़क-सड़क इसे बिकते देखा जा सकता है। दिल्ली में भी खूब मिलता है। दस-बीस रुपये जेब पर भारी भी नहीं होते। साथ ही कम कैलोरी होने के कारण स्वास्थ्यवर्धक भी माना जाता है। भुने हुए चावल यानी कि मुरमुरे, जिन्हें देश के अलग-अलग भागों में कहीं लाई तो कहीं चिड़वा नाम से पुकारा जाता है। और भी बहुत से नाम होंगे। इनके साथ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया, चटनी, नींबू, कच्चा सरसों का तेल और मसालों के साथ इसे बनाया जाता है। बहुत से स्थानों पर इसे भेलपूरी भी कहते हैं। घर में बनाकर भी इसे लोग खूब खाते हैं। यह सस्ता और पेट भराऊ भी होता है। कहते हैं कि इसे खाने-बनाने की शुरुआत उन्नीसवीं सदी में हुई थी। बहुत से अंग्रेज भी इसे स्वाद लेकर खाते थे।

जब से प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता के दुकानदार विक्रम शा की दुकान से दस रुपये की झालमूड़ी खाई, तब से इंटरनेट पर इसे खोजने वालों की बाढ़ आ गई। मोदी ने इस घटना को एक्स पर पोस्ट भी किया था। वह शाकाहारी हैं, मछली खा नहीं सकते थे, इसलिए इसे खाकर बंगालवासियों को संदेश दिया था कि उन्हें उनके खाने-पीने से कोई परहेज नहीं है। क्योंकि इसी तरह का प्रचार विरोधी पक्ष के द्वारा किया जा रहा था कि लोगों से उनका खाना तक छीन लिया जाएगा। इस घटना को सौ मिलियन व्यूज मिले थे। इंटरनेट पर छा गया था।शायद इसलिए भी कि इस तरह की घटनाएं कभी-कभी ही होती हैं।

दुकानदार विक्रम शा का कहना भी है कि उन्हें अंदाजा तक नहीं था कि कभी कोई प्रधानमंत्री, उन जैसे मामूली व्यक्ति की दुकान पर आ सकते हैं। लेकिन उन्हें इस बात का दु:ख है कि वह इतना घबरा गए कि जिंदगी का एक सुनहरा मौका खो दिया, जो अब कभी नहीं मिलेगा। वह मौका था-प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर लेने का। गया, बिहार के रहने वाले विक्रम की दुकान रातोंरात मशहूर हो गई है। दूर-दूर से इसे देखने लोग आ रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोग उनके बारे में जानना चाहते हैं। बिक्री भी खूब हो रही है। उनके नाते-रिश्तेदार, गांव के लोग, इतनी बधाइयां दे रहे हैं कि फोन बजना ही बंद नहीं हो रहा। हालांकि, विक्रम के खिलाफ यह प्रचार भी किया गया था कि वह तो एक कमांडो हैं और यह घटना पहले से तैयार की गई थी। रातोंरात दुकान बनाई गई थी, जबकि विक्रम का कहना है कि वह तो बहुत दिनों से ये काम करते हैं। और कोई कमांडो नहीं, मामूली से दुकानदार हैं।कैसे कोई घटना के वक्त संस्कृति, खानपान की आदतें देखकर, बहुत-सी कम्पनियां भी मैदान में कूद पड़ती हैं। वे किसी भी प्रसिद्धि को खूब भुना लेती हैं। बहुत-सी मशहूर कम्पनियां अब झालमूड़ी को पैकेट बंद खाने की तरह प्रस्तुत कर रही हैं। पांच, दस रुपये से लेकर पचहत्तर रुपये तक के पैकेट्स पेश किए जा रहे हैं। विदेश में रहने वाले एक लड़के ने बताया कि वहां के इंडियन स्टोर्स पर इसकी मांग बढ़ी है, इसलिए दुकानदार भारत से मंगा रहे हैं। हो सकता है कि दूसरे देशों में भारतीय और बहुत से विदेशी भी इसे खाना चाहेंगे। दशकों पहले अमेरिका की टाइम पत्रिका ने भारत के स्ट्रीट फूड पर एक लम्बा लेख छापा था। इसमें बताया गया था कि अपने यहां सड़क किनारे मिलने वाली खाद्य सामग्री स्वादिष्ट और उच्चकोटि की होती हैं।जिस तरह से इन दिनों झालमूड़ी चर्चा में है, वह बात हैरत में भी डालती है। पहले कोई ऐसी घटना होती थी, तो कुछ ही लोगों को पता चलती थी।

अपनों पे करम गैरों पे सितम...ये जुल्म न कर...

जनगणना ड्यूटी के नाम पर मनमानी नियुक्ति, एक जगह लगाकर दोबारा बदली गई ड्यूटी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। जनगणना ड्यूटी में कार्मिकों को नियुक्त किए जाने में बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है। कई प्रगणकों और सुपरवाइजर को एक स्थान पर नियुक्त किए जाने का संदेश मोबाइल पर भेजा गया। लेकिन कुछ ही दिनों के बाद उसमें फेरबदल कर दिया गया। जिससे कई कार्मिक कन्फ्यूज हो गए। यहां वहां भटकने के बाद उन्हें पता चला कि उनकी ड्यूटी मनमाने ढंग से बदल दी गई है।

जानकार सूत्र बताते हैं कि बिल्हौर तहसील में बैठे कुछ लोगों और ब्लॉक में बैठे सचिवों ने अपनी सुविधा के लिए मनमाने ढंग से बड़े पैमाने पर ड्यूटियां बदलवा दी। तहसील में बैठे जिम्मेदार अधिकारी अपनों के आगे बेबस नजर आए। वहीं बेसिक शिक्षा विभाग के प्रगणक और सुपरवाइजर परेशान घूम रहे हैं।पहले उन्होंने अपनी ड्यूटी वाले क्षेत्र को देख समझ लिया अब उन्हें नई जगह पर होमवर्क करना पड़ रहा है।

➪ जिलाधिकारी के निर्देशों को दरकिनार कर एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक में लगा दिए शिक्षक

बिल्हौर विकास खंड के कई कार्मिकों को शिवराजपुर और चौबेपुर विकास खंडों में नियुक्त कर दिया गया है। इससे जहां एक ओर कार्मिकों को ड्यूटी करने में जूझना पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर जनगणना कार्य समय से पूरा हो पाने पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि तहसील में बैठे कार्मिकों ने ड्यूटी कटवाने और बदलवाने के नाम पर बड़े पैमाने पर रुपयों का लेनदेन किया है। जिसकी चर्चा लोगों की जुबान पर है। लेकिन अफसरों के सामने कोई मुंह खोलने के लिए तैयार नहीं है।बताया जाता है कि बीआरसी के शिक्षक ने तहसील कर्मियों के साथ मिलकर अपने चाहितों की सुविधा अनुसार ड्यूटी इधर से उधर कर दी गई। ताकि उनका कार्य आसानी से पूरा हो सके। अन्य शिक्षकों को ड्यूटी के नाम पर परेशान न होना पड़े। इसकी चिंता किसी ने आखिर क्यों नहीं की? आलाधिकारी क्रास जाँच कर लें तो सच्चाई सामने आ जयेगी।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

म्यूचुअल ट्रांसफर के लिए भटकते रहे लोग

ड्यूटी स्थान में आपसी परिवर्तन करने के लिए डीएम कानपुर नगर ने स्पष्ट निर्देश दिए थे। लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी एक दूसरे पर टालकर अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे।

स्वगणना में झोंक दिए गए कार्मिक

शासन ने लोगों को जागरूक करने के लिए स्वगणना कराने के लिए लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए थे। लेकिन स्वगणना के नाम पर जनगणना शुरू होने से पहले ही कार्मिकों को चिलचिलाती धूम में लोगों की स्वगणना कराने के कार्य में झोंक दिया गया। जिससे वे परेशान हैं। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सब अपने अपने नंबर बढ़ाने की कवायद में लगे हैं। पूरा काम प्रगणक को ही करना है चाहे स्वगणना के नाम पर करा लिया जाए या जनगणना के नाम पर।

नौगजापीर दरगाह पर जवाबी कव्वाली में झूमे अकीदतमंद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कस्बा स्थित प्रसिद्ध दरगाह हजरत बाबा इब्राहिम शहीद नौगज़ा पीर दरगाह पर पर चल रहे सालाना उर्स में सोमवार रात जवाबी कव्वाली का आयोजन हुआ। जयपुर के मशहूर कव्वाल फैजान अजमेरी और मेरठ के आमिल आरिफ के बीच देर रात तक मुकाबला चलता रहा।

कव्वालों ने सूफियाना कलाम और मनकबत पेश कर महफिल में समा बांध दिया। कव्वाली सुनने के लिए देर रात तक जायरीनों और श्रोताओं की भीड़ जुटी रही। दरगाह परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद नजर आया। मेले में हुड़दंग करने वालों पर पुलिसिया कार्रवाई भी की गई।

➪ फैजान अजमेरी और आमिल आरिफ के बीच देर रात तक चला मुकाबला
➪ पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी हाजी अफजाल ने फीता काटकर किया शुभारंभ

आज होगा जुनैद सुल्तानी और शाकिब अली के बीच मुकाबला

उर्स की आखिरी रात आज दिल्ली के जुनैद सुल्तानी और फैजाबाद के शाकिब अली के बीच जवाबी कव्वाली का मुकाबला होगा। बुधवार को कुल शरीफ की रस्म के साथ उर्स का समापन किया जाएगा। साकिब अली की फैन फॉलोइंग काफी लंबी है। उनकी कई गजलें सोशल मीडिया पर वायरल भी है।बड़ी तादाद में उनके चाहने वाले मेले में साकिब अली को सुनने पहुंचेंगे।

सपा की संगठनात्मक बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा कार्यालय में संगठनात्मक बैठक की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई और कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान किया गया। बैठक में विधानसभा प्रभारी पुष्पराज यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन निर्भय सिंह यादव ने की। कार्यक्रम का संचालन विनय कोरी और प्रदेश सचिव आशीष सिंह चटरू ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए पुष्पराज यादव ने कहा कि बिल्हौर विधानसभा में भाजपा को हराने के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों को गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचाना ही जीत की कुंजी होगी। पूर्व जिलाध्यक्ष निर्भय सिंह यादव ने कहा कि बिल्हौर सीट पर समाजवादी पार्टी का मजबूत जनाधार रहा है और संगठन पूरी ताकत के साथ चुनाव की तैयारी में जुटा है। वहीं विनय कोरी ने कार्यकर्ताओं से संगठन को परिवार की तरह मजबूत करने और प्रत्येक वोटर तक पहुंचने की अपील की।

बैठक के बाद कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों में राहत देने की मांग उठाई। ज्ञापन में सोना-चांदी पर आयात शुल्क कम करने तथा महंगाई नियंत्रण के लिए प्रभावी नीति लागू करने की मांग भी की गई। सपा नेताओं ने नीट-यू जी परीक्षा में पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता जताते हुए निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और परीक्षा प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने की मांग की। इसके अलावा कानपुर के सपा विधायक अमिताभ बाजपेई के कथित अपमान के मामले में भी प्रशासन से कार्रवाई की मांग उठाई गई। इस दौरान श्याम सुंदर यादव, शैलेंद्र यादव, हुसैन जाफरी, विकास कटियार, राकेश यादव, जीतू यादव, कुलदीप यादव, नवीन यादव, प्रदीप सविता, वीरेंद्र कमल, मनीष कमल, राधेश्याम कमल, सर्वेश कमल, कार्तिकेय शुक्ला, डॉ. सतेंद्र यादव, भारत सिंह यादव, अर्चना रावल, शिवम त्रिवेदी, पप्पू यादव, सोनू, अनुरुद्ध कोरी और अरविंद कमल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

➪ कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी को महंगाई और नीट मुद्दे पर सौंपा ज्ञापन

दूसरे गुट के नेता दूर-दूर तक नहीं दिखे

समाजवादी पार्टी की संगठनात्मक बैठक में पार्टी के दूसरे गुट से जुड़े कई प्रमुख चेहरे दूर-दूर तक नजर नहीं आए। बैठक में एक पक्ष के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी तरह सक्रिय दिखे, जबकि दूसरे गुट की गैरमौजूदगी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी रही। बिल्हौर विधानसभा में लंबे समय से चल रही अंदरूनी खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आती दिखाई दी। हालांकि मंच से नेताओं ने संगठन की मजबूती और एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की।

भगवान श्रीकृष्ण के पूर्वजों की राजधानी 'सिद्धपुरी' बचाने की उठी मांग

सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार, जाजमऊ स्थित राजा ययाति टीला को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व वाले जाजमऊ स्थित 'राजा ययाति टीला' को बचाने की मांग तेज हो गई है। सनातन मठ मंदिर रक्षा समिति, उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर इस राज्य संरक्षित पुरातात्विक स्थल को अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराने तथा इसके संरक्षण और जीर्णोद्धार की मांग की है। समिति ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जिला प्रशासन कानपुर नगर अब तक प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहा है।समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार द्विवेदी ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि जाजमऊ स्थित 'सिद्धपुरी' भगवान श्रीकृष्ण के पूर्वज राजा ययाति की ऐतिहासिक राजधानी रही है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यहीं से यदुवंश की स्थापना हुई थी, जिसमें आगे चलकर भगवान श्रीकृष्ण ने अवतार लिया। यह स्थल उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1968 में आधिकारिक रूप से राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किया जा चुका है।पत्र में उल्लेख किया गया है कि इस ऐतिहासिक टीले पर हुए पुरातात्विक उत्खनन में लगभग 2800 वर्ष प्राचीन सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए थे, जो भारतीय सभ्यता और सनातन संस्कृति की प्राचीनता को प्रमाणित करते हैं। इसके समीप नागेश्वर सिद्धपुरी धाम मंदिर और बुड़ियाघाट जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी स्थित हैं, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

समिति ने बताया कि उनके लगातार प्रयासों के बाद उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग की निदेशक रेनू द्विवेदी ने 17 जनवरी 2025 को जिलाधिकारी कानपुर नगर को पत्र भेजकर संयुक्त टीम गठित कर अतिक्रमण हटाने और स्थल संरक्षण के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण भू-माफिया और असामाजिक तत्व संरक्षित टीले पर लगातार अवैध कब्जे और निर्माण कर रहे हैं।

समिति ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जाजमऊ टीले को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, नागेश्वर सिद्धपुरी धाम मंदिर और बुड़ियाघाट का जीर्णोद्धार कराया जाए तथा पूरे क्षेत्र को संरक्षित कर भावी पीढ़ियों के अध्ययन और सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए सुरक्षित किया जाए।अजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार जिस प्रकार धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है, उसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण के पूर्वजों से जुड़ी इस ऐतिहासिक धरोहर को भी संरक्षण और न्याय मिलना चाहिए।

प्रेमी संग मंगेतर का कत्ल, आठ साल बाद प्रेमिका-मां समेत तीन को उम्रकैद

» शादी से 38 दिन पहले रची गई थी खौफनाक साजिश

» शराब पिलाकर की हत्या, जंगल में फेंक दिया था शव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुरादाबाद। मुरादाबाद में आठ साल पहले मंगेतर की हत्या के सनसनीखेज मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। प्रेमी के साथ मिलकर मंगेतर सोनू की हत्या करने वाली युवती रानी, उसके प्रेमी अशोक उर्फ फकीरा और हत्या में साथ देने वाली मां राधा को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने तीनों दोषियों पर 35-35 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न देने पर एक-एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।मामला थाना पाकबड़ा क्षेत्र के गांव महलकपुर माफी का है। यहां रमेश ने अपनी बेटी रानी की शादी गांव गिंदौड़ा निवासी सोनू के साथ तय की थी। लेकिन रानी का गांव के ही शादीशुदा युवक अशोक से प्रेम संबंध था। शादी नहीं करना चाहती रानी ने अपनी मां और प्रेमी के साथ मिलकर मंगेतर की हत्या की साजिश रच डाली।पुलिस जांच के मुताबिक 2 नवंबर 2018 की रात रानी ने सोनू को मिलने के बहाने घर बुलाया। वहां पहले उसे शराब पिलाई गई और फिर रानी, उसकी मां राधा और प्रेमी अशोक ने मिलकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद शव को गांव बकैनिया के जंगल में फेंक दिया गया था।मृतका के पिता जयपाल सिंह की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने रानी और अशोक को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। बाद में रानी की मां राधा की भूमिका भी सामने आई। मामले की सुनवाई एडीजे कोर्ट-7 में हुई, जहां अदालत ने तीनों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण का नया फार्मूला

» योगी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग गठन को दी मंजूरी

» अब 'ट्रिपल टेस्ट' के आधार पर तय होगा पंचायत चुनावों में आरक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों की तस्वीर इस बार पूरी तरह बदलने जा रही है। राज्य सरकार ने पंचायत चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण लागू करने के लिए 'ट्रिपल टेस्ट' व्यवस्था अपनाने का फैसला किया है। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को मंजूरी दे दी गई। इसके साथ ही अब ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष पदों पर आरक्षण तय करने की प्रक्रिया नए कानूनी ढांचे के तहत पूरी होगी।अब तक पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए रैपिड सर्वे का सहारा लिया जाता था, लेकिन सरकार का कहना है कि नई व्यवस्था अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और न्यायिक कसौटियों पर आधारित होगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 'ट्रिपल टेस्ट' के अनुसार किसी भी राज्य को स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण लागू करने से पहले तीन अनिवार्य चरण पूरे करने होते हैं। इनमें समर्पित आयोग का गठन, पिछड़े वर्गों की वास्तविक सामाजिक-राजनीतिक स्थिति का अध्ययन और उसके आधार पर आरक्षण का निर्धारण शामिल है।

यह व्यवस्था पहली बार वर्ष 2023 के नगर निकाय चुनावों में लागू की गई थी। अब पंचायत चुनावों में भी इसी मॉडल को अपनाने की तैयारी शुरू हो गई है। सरकार का मानना है कि इससे आरक्षण को लेकर होने वाले कानूनी विवाद कम होंगे और चुनाव प्रक्रिया अधिक मजबूत बनेगी।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार पंचायत चुनावों में ओबीसी वर्ग की बड़ी भूमिका रहती है। ऐसे में ट्रिपल टेस्ट लागू होने से आरक्षण की वैधानिक मजबूती बढ़ेगी और विभिन्न जिलों में वास्तविक सामाजिक प्रतिनिधित्व सामने आ सकेगा।

विपक्ष जहां इस फैसले पर सरकार से समयबद्ध प्रक्रिया की मांग कर रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम बता रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आयोग समय पर अपनी रिपोर्ट सौंप देता है तो पंचायत चुनावों का कार्यक्रम तय समय पर जारी किया जा सकता है। हालांकि सर्वे, डेटा विश्लेषण और सीट निर्धारण की प्रक्रिया इस बार पहले की तुलना में अधिक विस्तृत रहने की संभावना है।

क्या है 'ट्रिपल टेस्ट'?

» सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय कानूनी प्रक्रिया

» ओबीसी आरक्षण लागू करने से पहले आयोग गठन अनिवार्य

» सामाजिक व राजनीतिक पिछड़ेपन का डेटा आधारित अध्ययन

» कुल आरक्षण सीमा का संतुलन बनाए रखना जरूरी

सरकार को क्या होगा फायदा?

» आरक्षण पर कानूनी चुनौतियां कम होंगी

» पंचायत चुनावों में पारदर्शिता बढ़ेगी

» सामाजिक प्रतिनिधित्व का दावा मजबूत होगा

» चुनाव बाद विवाद और स्थगन की आशंका घटेगी

चुनावी राजनीति पर असर

» ओबीसी वोट बैंक पर सभी दलों की नजर

» जिला स्तर पर नए सामाजिक समीकरण बन सकते हैं

» कई सीटों का आरक्षण स्वरूप बदलने की संभावना

» पंचायत स्तर की राजनीति में नई प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी

राजपुर पीएचसी में ठप पड़ी लीवर किडनी जांच सेवा, धूल फांक रहीं मशीनें

33 लाख की हेल्थ यूनिट लैब में मरीजों को नहीं मिल रही जरूरी जांच सुविधा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को बेहतर जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे राजपुर पीएचसी में दम तोड़ते नजर आ रहे हैं। यहां ब्लॉक हेल्थ यूनिट लैब में लीवर और किडनी फंक्शन टेस्ट (एलएफटी व केएफटी) की जांच महीनों से बंद पड़ी है। वजह सिर्फ इतनी है कि लैब में अब तक वातानुकूलित सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है।

जानकारी के मुताबिक राजपुर पीएचसी में करीब 33 लाख रुपये की लागत से आधुनिक ब्लॉक हेल्थ यूनिट लैब स्थापित की गई थी।

इस लैब में मरीजों को करीब 20 प्रकार की निःशुल्क जांचें उपलब्ध कराने का दावा किया गया था। लेकिन हकीकत यह है कि जरूरी मशीनें होने के बावजूद मरीजों को लीवर और किडनी की जांच सुविधा नहीं मिल पा रही है। लैब में रखी एलएफटी और केएफटी मशीनें एसी के अभाव में शोपीस बनकर रह गई हैं। अधिक तापमान में मशीनों के संचालन में तकनीकी दिक्कत आने के कारण जांच कार्य शुरू नहीं हो पा रहा। इसका सीधा असर गरीब और ग्रामीण मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें मजबूरी में निजी पैथोलॉजी सेंटरों का सहारा लेना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का दावा कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर छोटी-छोटी व्यवस्थाओं की अनदेखी के कारण सुविधाएं शुरू नहीं हो पा रहीं। लोगों ने सवाल उठाया कि जब आधुनिक मशीनें भेजी गई तो उनके संचालन के लिए जरूरी संसाधनों की व्यवस्था पहले क्यों नहीं की गई। राजपुर पीएचसी के अधीक्षक डॉ. सलिल सचान ने बताया कि लैब में एसी न होने के कारण एलएफटी और केएफटी मशीनों का संचालन संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि एसी लगवाने के लिए जिला अधिकारियों को पत्र भेजा गया है और जल्द ही जांच सुविधा शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बंद पड़ी बड़ी मशीने

झांसी-लखनऊ रेलवे लाइन पर युवक की मौत परिजनों में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के वीरोहा गांव के समीप से निकली झांसी-लखनऊ रेलवे लाइन पर एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची भोगनीपुर गांव निवासी रंजू ने बताया कि उसके पति श्यामबाबू शाम घर से वीरोहा गांव जाने की बात कहकर निकले थे। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। सुबह वीरोहा गांव के पास रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति के ट्रेन से कटने की सूचना मिली।

सीएम डैशबोर्ड में फिसली रैंकिंग तो भड़के सीडीओ खराब प्रदर्शन वाले अफसरों को लगाई कड़ी फटकार

» 'सी' और 'डी' श्रेणी की योजनाओं पर जताई नाराजगी, बोले एक हफ्ते में सुधार नहीं हुआ तो होगी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास भवन सभागार में आयोजित सीएम डैशबोर्ड समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल का सख्त रुख देखने को मिला। जनपद की योजनाओं की खराब प्रगति और लगातार गिर रही रैंकिंग पर नाराजगी जताते हुए सीडीओ ने कई विभागों के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि योजनाओं में लापरवाही अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभागीय योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सामने आया कि कई विभागों की योजनाएं अभी भी 'सी' और 'डी' श्रेणी में चल रही हैं, जबकि शासन स्तर से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। इस पर सीडीओ ने संबंधित नोडल अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए।सीडीओ ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिक योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आईना है।

यदि योजनाओं की प्रगति खराब रही तो इसका सीधा असर जनपद की छवि और रैंकिंग पर पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिन विभागों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वे एक सप्ताह के भीतर सुधारात्मक प्रगति दिखाएं, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।बैठक में यह भी पाया गया कि कई विभाग समय से आंकड़े अपडेट नहीं कर रहे हैं, जिससे योजनाओं की वास्तविक स्थिति डैशबोर्ड पर नहीं दिख पा रही। इस पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग नियमित रूप से डेटा अपडेट करें और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने, योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करने और पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी समीक्षा बैठक में हर विभाग की प्रगति की दोबारा जांच होगी और किसी भी प्रकार की ढिलाई मिलने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में जिला विकास अधिकारी सुनील तिवारी, उपायुक्त श्रम रोजगार अशोक कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क किनारे खाई में मिला युवक का शव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» पास में पड़ी थी बाइक

» ससुराल से लौटने के बाद लापता हुआ था युवक, पुलिस जांच में जुटी

कानपुर देहात। ससुराल एक से घर लौट रहे एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे खाई में पड़ा मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

शव के पास युवक की बाइक भी बरामद हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार दिबियापुर थाना क्षेत्र के गुलरिया गांव निवासी श्यामजी 14 मई को अपनी ससुराल गोपालपुर गडरिया आए थे। बताया गया कि वहां से वह वापस अपने घर के लिए निकला, लेकिन घर नहीं पहुंचा।

परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी न मिलने पर 15 मई को दिबियापुर थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।

सोमवार शाम रसूलाबाद-बिल्हौर मार्ग पर मुनौरापुर गांव के सामने सड़क किनारे खाई में एक युवक का शव और बाइक पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

गोपालपुर गडरिया निवासी अंकित ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान अपने जीजा श्यामजी के रूप में की। घटना की सूचना मिलते ही फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और आसपास से साक्ष्य जुटाए।

पुलिस का कहना है कि युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है।

मामले की जांच की जा रही है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

निगोही स्थाई गोशाला में अव्यवस्थाओं का अंबार, भीषण गर्मी में बेहाल 154 गोवंश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कागजों में दुरुस्त दिख रही व्यवस्थाएं, ग्राउंड जीरो रिपोर्टिंग में खुल रही जिम्मेदारों की पोल

न तिरपाल, न पंखे, न समुचित रोशनी, कर्मचारियों को जानवरों की नाद के पास गुजारनी पड़ रही रात

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा क्षेत्र की निगोही स्थाई गौशाला इन दिनों अव्यवस्थाओं और बदहाल हालात का प्रतीक बनी हुई है। सरकार द्वारा गोवंश संरक्षण और उनके बेहतर रखरखाव के लिए लाखों रुपये खर्च किए जाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन निगोही गोशाला की जमीनी स्थिति इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच यहां मौजूद करीब 154 गोवंश पर्याप्त सुविधाओं के अभाव में परेशानी झेल रहे हैं।

गोशाला में गोवंशों को धूप और लू से बचाने के लिए पर्याप्त तिरपाल तक नहीं लगाए गए हैं। कई स्थानों पर गोवंश खुले आसमान के नीचे खड़े दिखाई देते हैं। तेज धूप और उमस के कारण गोवंश लगातार गर्मी की चपेट में आ रहे हैं। हालात यह हैं कि गर्मी से राहत देने के लिए पंखों तक की व्यवस्था नहीं की गई है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि दिन के समय गोशाला परिसर भट्ठी की तरह तपता है। गोवंश गर्मी से बेहाल होकर

इधर-उधर भटकते रहते हैं। कई बार पानी की व्यवस्था भी प्रभावित हो जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी केवल निरीक्षण और कागजी खानापूर्ति तक सीमित हैं, जबकि जमीनी हालात पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

किसानों के बिजली कनेक्शन के भरोसे गोशाला

गोशाला में बिजली के समुचित संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। ग्रामीणों के अनुसार सरकारी स्तर पर स्थाई और पर्याप्त बिजली व्यवस्था न होने के कारण किसानों के निजी बिजली कनेक्शन के भरोसे किसी तरह काम चलाया जा रहा है।

बिजली बाधित होते ही पानी और रोशनी की व्यवस्था प्रभावित हो जाती है।

रात्रि में गोशाला परिसर अंधेरे में डूब जाता है। पर्याप्त लाइटें न होने से कर्मचारियों को गोवंशों की निगरानी और देखभाल में भारी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि रात में कोई गोवंश बीमार हो जाए या कोई अप्रिय घटना हो जाए तो समय पर स्थिति संभालना मुश्किल हो सकता है।

छह केयर टेकर तैनात, लेकिन मूलभूत सुविधाएं नहीं

गोशाला में गोवंशों की देखरेख के लिए कुल छह केयर टेकरों की तैनाती की गई है, जिनमें दो पुरुष और चार महिला कर्मचारी शामिल हैं। इनकी ड्यूटी दिन और रात्रि दोनों समय लगाई गई है। केयर टेकर जय चंद सिंह सहित अन्य कर्मचारी लगातार गोवंशों की सेवा में लगे हैं, लेकिन उनके लिए भी कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है।

बताया गया कि कर्मचारियों के रुकने और आराम करने के लिए पलंग तक उपलब्ध नहीं हैं। मजबूरी में उन्हें जानवरों की नाद के पास ही रात गुजारनी पड़ती है। गर्मी, मच्छरों और अंधेरे के बीच कर्मचारी किसी तरह अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि कई बार अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस सुधार नहीं हुआ।

कागजों में चमक रही गोशाला, हकीकत में बदहाल

नाम न अखबार में छपने की शर्त पर ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी कागजों में गोशाला की व्यवस्थाओं को दुरुस्त दिखाकर शासन को रिपोर्ट भेज रहे हैं, जबकि वास्तविक स्थिति बेहद खराब है। ग्राउंड जीरो रिपोर्टिंग में कई ऐसी खामियां सामने आई हैं, जो सरकारी दावों पर सवाल खड़े कर रही हैं।लोगों का कहना है कि गोवंशों के नाम पर बजट तो जारी होता है, लेकिन धरातल पर उसका असर दिखाई नहीं देता। भीषण गर्मी में जहां गोवंशों के लिए छाया, पानी और पंखों की जरूरत है, वहीं गोशाला में इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है।

क्या बोले खंड विकास अधिकारी

खंड विकास अधिकारी मलासा संजय कन्नौजिया ने बताया है कि गोशाला में तिरपाल आदि और जो कमियां हैं उसको दिखवाया जायेगा लापरवाही सचिव और प्रधान से जवाब तलब किया जायेगा।

खुले आसमान तपती धूप में गोवंश

भोगनीपुर पुलिस ने 24 घंटे में दो बच्चों को सकुशल किया बरामद

» परिवारजनों ने कानपुर देहात पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस ÷ऑपरेशन मुस्कान÷ अभियान के तहत थाना भोगनीपुर पुलिस ने दो नाबालिग बालकों को महज 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चों के सुरक्षित मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है।

बताया गया कि 16 मई को दो नाबालिग बालक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए थे। काफी तलाश के बाद भी जब बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला तो 17 मई को दोनों बच्चों के पिता की संयुक्त तहरीर पर थाना भोगनीपुर में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में

पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दोनों को सकुशल बरामद कर लिया। बरामद किए गए बच्चों में पर्व सचान पुत्र रोहित सचान निवासी सिनेमा गली पुखरायां, उम्र 13 वर्ष तथा अर्श पुत्र मोहम्मद अशफाक निवासी भोगनीपुर, उम्र 11 वर्ष शामिल हैं। पुलिस ने दोनों बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अपने बच्चों को सुरक्षित पाकर परिजनों की आंखें खुशी से नम हो गईं। परिवारजनों ने कानपुर देहात पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक वीरेन्द्र कुमार चौकी पुखरायां तथा महिला कांस्टेबल प्रीती सिंह शामिल रहीं।

मंडी समिति के पास घायल मिला बाइक सवार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। झींझक-रूरा मार्ग पर मंडी समिति के पास राहगीरों ने एक युवक को घायल अवस्था में पड़ा देखा। मौके से गुजर रहे पुष्पेंद्र सिंह चौहान उर्फ राजे पुत्र सुरेंद्र सिंह चौहान ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी और घायल को सीएचसी झींझक पहुंचाया। घायल युवक की पहचान शिवपूजन सिंह निवासी पुरवा बली, थाना सहायल जनपद औरैया के रूप में हुई। सूचना मिलते ही झींझक चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिवारजनों ने बताया कि शिवपूजन की ससुराल पनकी कानपुर में है। वह बाइक से ससुराल से अपने घर लौट रहा था, तभी रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। सीएचसी झींझक से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

इटावा पुलिस का बड़ा एक्शन

11 करोड़ से ज्यादा का नशा जलाकर राख

'ऑपरेशन दहन' के तहत 57 क्विंटल मादक पदार्थ नष्ट, नशा कारोबारियों में मचा हड़कंप

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इटावा। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में इटावा पुलिस ने बड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये के मादक पदार्थों को जलाकर नष्ट कर दिया। उत्तर प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के निर्देश पर संचालित 'ऑपरेशन दहन' के तहत सोमवार को जनपद पुलिस ने 57 क्विंटल से अधिक अवैध नशीले पदार्थों को राख कर दिया।

जनपद के जनप्रिय, कर्तव्यनिष्ठ एवं न्यायप्रिय वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार जनपद के विभिन्न थानों में दर्ज कुल 206 मुकदमों से संबंधित अवैध मादक पदार्थों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कराया गया।

कार्रवाई कानपुर देहात स्थित अधिकृत इंसीनेरेटर प्लांट में की गई, जहां वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के बीच पूरी पारदर्शिता एवं सुरक्षा मानकों का पालन किया गया। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में स्मैक-हीरोइन, चरस, अफीम, गांजा, डोडा समेत अन्य प्रतिबंधित नशीले पदार्थ शामिल रहे।

पुलिस के मुताबिक कुल 5774.822 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 11 करोड़ 45 लाख रुपये आंकी गई है। इतनी बड़ी मात्रा में नशे के जखीरे को नष्ट किए जाने से नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव ने कहा कि 'ऑपरेशन दहन' का उद्देश्य समाज को नशामुक्त बनाना और अपराधियों में कानून का भय पैदा करना है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और कारोबार के खिलाफ इटावा पुलिस की कठोर कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

इटावा पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई को नशे के खिलाफ चल रही मुहिम में अहम कदम माना जा रहा है।

इससे जिलेभर में नशामुक्ति को लेकर सकारात्मक संदेश गया है और युवाओं को नशे से दूर रखने की दिशा में पुलिस की सख्त मंशा भी साफ दिखाई दी है।

डॉ प्रमेंद्र माहेश्वरी बने माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बरेली । बरेली के प्रसिद्ध आर्थोपेडिक सर्जन समाजसेवी व भाजपा नेता,गंगा चरण अस्पताल के निदेशक डॉ प्रमेंद्र माहेश्वरी को माहेश्वरी सभा का निर्विरोध जिलाध्यक्ष चुना गया है। उनके निर्वाचन से उनके समर्थकों और प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस मौके पर बधाई देने वालों में शिव कुमार माहेश्वरी,संतोष उपाध्याय,भगवा परिषद जिलाध्यक्ष डॉक्टर सुबोध अस्थाना,राम जी राजावत, अमित शर्मा, संजू रस्तोगी, दिवाकर आर्य,मूल चंद्र माहेश्वरी, अखिलेश माहेश्वरी, आलोक माहेश्वरी, दीपक माहेश्वरी आदि रहे।

सगाई के तीन दिन बाद युवती की बेरहमी से हत्या, रेलवे ट्रैक किनारे मिला शव

» ईंट और भारी वस्तु से कुचलकर उतारा मौत के घाट, झाड़ियों में फेंकी लाश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 22 वर्षीय युवती शिवानी सिंह की निर्मम हत्या से सनसनी फैल गई। सगाई के महज तीन दिन बाद बदमाशों ने ईंट और भारी वस्तु से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी और शव को सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में उतरेटिया रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों में फेंक दिया। सोमवार सुबह शव मिलने की सूचना पर इलाके में हड़कंप मच गया।पुलिस के मुताबिक शिवानी रविवार सुबह घर से काम पर जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिवार वालों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार दोपहर जब परिजन पीजीआई थाने गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचे तो उन्हें युवती का शव मिलने की जानकारी हुई। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मां गीता सिंह ने शव की पहचान अपनी बेटी शिवानी के रूप में की।घटना की सूचना मिलते ही डीसीपी दक्षिणी अमित आनंद, एसीपी ऋषभ यादव और इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्याकांड के खुलासे के लिए चार टीमें गठित की हैं। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।शिवानी की मां ने बताया कि 14 मई को उसकी सगाई घर के पास रहने वाले प्रकाश से हुई थी। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं और घर में खुशी का माहौल था।

लेकिन अचानक हुई इस वारदात ने पूरे परिवार को तोड़ दिया। वहीं जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि शिवानी पिछले तीन महीनों से उस रीयल एस्टेट कंपनी के ऑफिस नहीं जा रही थी, जहां नौकरी करने की बात वह घरवालों से कहती थी।पुलिस अब प्रेम प्रसंग समेत कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। शिवानी के मोबाइल की कॉल डिटेल में मिले कुछ संदिग्ध नंबरों के आधार पर कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ई-ऑटो में निकलीं हेमा मालिनी, बोलीं- पेट्रोल बचाइए, पर्यावरण बचाइए

» दिशा समिति बैठक के बाद सांसद का अलग अंदाज, विधायक के ई-ऑटो में किया सफर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा। मथुरा की सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी सोमवार को एक अलग अंदाज में नजर आईं। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के बाद वह इलेक्ट्रिक ऑटो में सफर करती दिखाई दीं। कलेक्ट्रेट से रवाना होते समय उन्होंने लोगों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की अपील की।जिस ई-ऑटो में सांसद सवार हुईं, उसका इस्तेमाल भाजपा विधायक पूरन प्रकाश अपने क्षेत्रीय भ्रमण और बैठकों में शामिल होने के लिए करते हैं। ऑटो पर भाजपा का झंडा, हूटर और विधायक के नाम की प्लेट भी लगी हुई थी। हेमा मालिनी के साथ राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह और विधायक पूरन प्रकाश भी मौजूद रहे

जिले की लंबित और चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा की गई। करीब दो घंटे चली बैठक में सांसद हेमा मालिनी ने अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक के बाद उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और ईंधन संकट को देखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल समय की जरूरत बन चुका है। बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण की अपील के बाद विधायक पूरन प्रकाश लगातार ई-ऑटो का उपयोग कर रहे हैं। सांसद ने भी लोगों से स्वच्छ और हरित परिवहन अपनाने की अपील की।

अपमान प्रकरण

सीएमओ ने दर्ज किया पत्रकार का बयान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। वरिष्ठ पत्रकार कुशल चन्द्र मिश्र से फोन पर कथित अभद्रता और अमर्यादित भाषा के प्रयोग के मामले में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर गठित जांच समिति ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को जांच टीम के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने पत्रकार का बयान दर्ज कर साक्ष्य जुटाए। मामला 29 अप्रैल का बताया जा रहा है, जब मेडिकल कॉलेज में प्रस्तावित पोस्टमार्टम हाउस को लेकर खबर प्रकाशित करने से पहले पत्रकार ने मेडिकल कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. डीके सिंह से पक्ष जानने के लिए फोन किया था। आरोप है कि जानकारी देने के बजाय डॉक्टर ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। शिकायत मिलने पर डीएम ने मामले की गंभीरता देखते हुए दो सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी थी।

माननीयों के रसूख के आगे बौना पड़ा सिस्टम

सत्ता-विपक्ष के पार्षदों पर सरकारी जमीन कब्जाने के आरोप, शिकायत पर भी लौटा बुलडोजर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति को रामनगरी में खुलेआम चुनौती दी जा रही है। अयोध्या में भू-माफियाओं, सफेदपोश नेताओं और नगर निगम के कुछ पार्षदों का ऐसा गठजोड़ सक्रिय बताया जा रहा है, जिसने सरकारी जमीनों को ही कमाई का जरिया बना लिया है। रामपथ से सटे इलाकों से लेकर शहर के कई वार्डों में नजूल, रेलवे और तालाबों की जमीनों पर अवैध कब्जे, बाउंड्रीवाल और प्लाटिंग का खेल धड़ल्ले से चल रहा है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस खेल में सत्ता और विपक्ष दोनों खेमों के पार्षदों के नाम चर्चा में हैं। सूत्र बताते हैं कि कुछ दिन पहले प्रशासन शिकायत पर बुलडोजर लेकर पहुंचा भी, लेकिन रसूखदार नेताओं और पार्षद प्रतिनिधियों के दबाव के आगे कार्रवाई ÷नागिन डांस÷ करती हुई लौट गई। स्थानीय लोग अब इस कार्रवाई को ÷औपचारिक तमाशा÷ कहकर तंज कस रहे हैं। बेनीगंज और बहारगंज क्षेत्र के गाटा संख्या 797 की बेशकीमती नजूल भूमि पर कथित अवैध कब्जे का मामला चर्चा में है। आरोप है कि प्रभावशाली पार्षद प्रतिनिधि ने टिनशेड और चहारदीवारी खड़ी कर जमीन कब्जा ली, लेकिन शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक कार्रवाई फाइलों में ही घूम रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नजूल विभाग, लेखपाल और प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी राजनीतिक दबाव में मौन हैं। गरीबों के मकानों पर बुलडोजर चल जाता है, लेकिन करोड़ों की सरकारी जमीन कब्जाने वाले रसूखदारों पर कार्रवाई आते-आते ठंडी पड़ जाती है। अब सवाल यह है कि आखिर अयोध्या में सरकारी जमीनों का असली मालिक कौन है–सरकार या भू-माफियाओं का सिंडिकेट?

दुकानदारों के समर्थन में उतरे नगर विधायक, प्रवर्तन कार्रवाई पर जताई नाराजगी

» स्मार्ट सिटी के नाम पर गरीबों की रोजी-रोटी नहीं छीनी जाएगी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम प्रवर्तन दल द्वारा कैंट स्टेशन सिविल लाइन क्षेत्र में सड़क किनारे की दुकानों और ठेलों को हटाए जाने से नाराज दुकानदारों के बीच नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता पहुंचे। उन्होंने पीड़ित दुकानदारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के किसी को उजाड़ा नहीं जाएगा।

विधायक ने कहा कि अयोध्या को स्मार्ट सिटी बनाया जा रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वर्षों से रोजगार कर रहे गरीब दुकानदारों की रोजी-रोटी छीन ली जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा का हवाला देते हुए कहा कि सरकार भी चाहती है कि पहले पुनर्वास की व्यवस्था हो, उसके बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई की जाए। बताया गया कि कैंट स्टेशन के आसपास वर्षों से दुकान लगाने वाले करीब 50 से 60 दुकानदारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। विधायक ने अधिकारियों से बातचीत कर सभी प्रभावित लोगों के लिए उचित वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की बात कही। विधायक के आश्वासन के बाद दुकानदारों में राहत की उम्मीद जगी है।

आतंकवादी भी आ जाए तो मेरी दिक्कत नहीं

रामनगरी की सुरक्षा पर होटल संचालक का शर्मनाक बयान, वीडियो वायरल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

वायरल वीडियो की क्लिप

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की अति-संवेदनशील नगरी अयोध्या में कुछ होटल और होम-स्टे संचालक अब सुरक्षा मानकों को खुली चुनौती देते दिखाई दे रहे हैं। ताजा मामला सिविल लाइन क्षेत्र स्थित होटल आकाश यात्री निवास का है, जहां एक कपल के विवाद के बाद सामने आए होटल संचालक के बयान ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को कटघरे में खड़ा कर दिया है। इस बाबत वायरल वीडियो की पुष्टि स्वराज इंडिया नहीं करता है। बताया जाता है कि होटल में एक युवक और युवती कमरा लेकर पहुंचे थे। कुछ देर बाद युवती के परिजन मौके पर पहुंच गए और जमकर हंगामा हुआ। सूचना पर चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। लेकिन असली विवाद तब शुरू हुआ जब पत्रकारों ने होटल संचालक से बिना पर्याप्त सत्यापन के कमरा देने को लेकर सवाल किया। होटल संचालक का जवाब चौंकाने वाला था। उसने कहा आईडी चेक करना पुलिस का काम है, हमारा नहीं। इतना ही नहीं, जब उससे पूछा गया कि यदि कोई आतंकवादी कमरा लेकर रुक जाए तो? इस पर उसने कथित तौर पर कहा वो पुलिस देखेगी, हमें तो पैसा लेकर कमरा देना है।

सबसे गंभीर बात यह है कि यह होटल वीआईपी और अतिसंवेदनशील क्षेत्र सिविल लाइन में स्थित है, जहां सर्किट हाउस, अधिकारियों के सरकारी आवास और वीआईपी मूवमेंट रहता है। ऐसे इलाके में होटल संचालन के नियमों, अतिथि सत्यापन, डिजिटल रजिस्टर, फायर एनओसी और कमर्शियल मानकों पर अब गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि क्या सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी या मामला फिर फाइलों में दब जाएगा।

जिला महिला अस्पताल पहुंचे डीएम , स्वास्थ्य सेवाओं की परखी हकीकत

» साफ-सफाई, इलाज और मातृ-शिशु सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने शनिवार को जिला महिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आयुष्मान रूम, लेबर रूम, एसएनसीयू, वार्ड, पेयजल व्यवस्था और आपातकालीन निकासी मार्ग का निरीक्षण किया।

डीएम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से बातचीत कर इलाज और सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर रखी जाए तथा मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही दवाओं और जरूरी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि मरीजों और तीमारदारों के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाया जाए।

उन्होंने आपातकालीन निकासी व्यवस्था में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने पर भी जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. देवेंद्र भिटौरिया, अस्पताल अधीक्षक और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मस्जिद पर गोलियों की बौछार हेट क्राइम से दहला सैन डिएगो

कैलिफोर्निया में दो नाबालिगों ने मस्जिद को बनाया निशाना, सुरक्षाकर्मी समेत तीन की मौत, हमलावरों ने बाद में खुद को भी मारी गोली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के सैन डिएगो शहर में हेट क्राइम की एक भयावह घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। यहां स्थित 'इस्लामिक सेंटर ऑफ सैन डिएगो' मस्जिद पर दो नाबालिग हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में मस्जिद के सुरक्षाकर्मी समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग दहशत में आ गए। घटना के बाद इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं।

पुलिस के अनुसार 17 और 19 वर्षीय दोनों आरोपी अपने घरों से हथियार चुराकर लाए थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमले की पूरी साजिश पहले से तैयार की गई थी और मस्जिद को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महज चार मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गई, लेकिन तब तक तीन लोगों की जान जा चुकी थी।

फायरिंग के बाद दोनों आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए। बाद में कुछ दूरी पर उनकी कार मिली, जहां दोनों ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से हथियार और कई अहम सबूत भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। जांच के दौरान एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। पुलिस के मुताबिक 17 वर्षीय आरोपी की मां ने घटना से करीब दो घंटे पहले पुलिस को फोन कर बताया था कि उसका बेटा मानसिक रूप से अस्थिर है और हथियार लेकर घर से निकला है। इसके बाद पुलिस ने स्कूलों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी थी, लेकिन तब तक दोनों आरोपी मस्जिद की ओर बढ़ चुके थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घटना को बेहद भयावह बताते हुए कहा कि मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के नेटवर्क और मंशा का पता लगाया जाएगा। वहीं कैलिफोर्निया प्रशासन ने साफ कहा कि राज्य में नफरत और धार्मिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। फिलहाल पुलिस इस पूरी वारदात की जांच हेट क्राइम के एंगल से कर रही है।

योगनगरी स्टेशन पर बड़ा हादसा टला उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरे

वॉशिंग लाइन में शंटिंग के दौरान अनियंत्रित हुई ट्रेन, एक बोगी पलटकर ट्रैक से बाहर लटकी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ऋषिकेश। योगनगरी रेलवे स्टेशन पर सोमवार रात बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। स्टेशन की वॉशिंग लाइन में मेंटेनेंस और शंटिंग के दौरान उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से एक बोगी पलटकर करीब 20 फुट तक ट्रैक से बाहर लटक गई। हादसे के समय ट्रेन खाली थी, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद रेलवे प्रशासन, जीआरपी और स्थानीय पुलिस में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार उज्जैनी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय पर शाम को योगनगरी रेलवे स्टेशन पहुंची थी। इसके बाद ट्रेन को वॉशिंग लाइन में ले जाकर शंटिंग और रखरखाव का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान ट्रेन अचानक अनियंत्रित हो गई और तेज गति से आगे बढ़ते हुए ट्रैक के एंड पॉइंट पर लगे बफर स्टॉप से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इंजन के पीछे लगे तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। एक बोगी पूरी तरह पलट गई और ट्रैक से बाहर लटक गई। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के खांड गांव क्षेत्र के लोग घबरा गए और बड़ी संख्या में घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही जीआरपी, रेलवे अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं जांच कार्य शुरू किया गया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेरकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली।

कोतवाल कैलाश चंद्र भट्ट ने बताया कि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। ट्रेन खाली होने के कारण बड़ा नुकसान टल गया। उन्होंने कहा कि योगनगरी-रायवाला रेल ट्रैक प्रभावित नहीं हुआ है और अन्य ट्रेनों का संचालन सामान्य बना हुआ है। रेलवे प्रशासन ने घटना की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर शंटिंग के दौरान तकनीकी गड़बड़ी या मानवीय भूल की आशंका जताई जा रही है। उज्जैनी एक्सप्रेस को मंगलवार सुबह उज्जैन के लिए रवाना होना था।

23 की उम्र में ब्रिटेन के मेयर बने तुषार, भारतीय मूल के युवा नेता ने रचा इतिहास

➪ **लेबर पार्टी के पार्षद तुषार कुमार ने एल्सट्री और बोरहमवुड टाउन काउंसिल के मेयर पद की संभाली जिम्मेदारी, भारतीय संस्कृति के प्रचार में भी निभा रहे अहम भूमिका**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। ब्रिटेन में भारतीय मूल के युवा नेता तुषार कुमार ने महज 23 वर्ष की उम्र में इतिहास रच दिया है। लेबर पार्टी से जुड़े तुषार कुमार को हर्टफोर्डशायर स्थित एल्सट्री और बोरहमवुड टाउन काउंसिल का नया मेयर चुना गया है। फेयरवे हॉल में आयोजित भव्य 'मेयर मेकिंग' समारोह में उन्होंने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इसके साथ ही वह ब्रिटेन में सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के मेयर बन गए हैं।

तुषार कुमार की इस उपलब्धि को भारतीय समुदाय के लिए भी गौरवपूर्ण माना जा रहा है। युवा उम्र में राजनीति में सक्रिय होकर उन्होंने न केवल स्थानीय प्रशासन में अपनी मजबूत पहचान बनाई, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को भी ब्रिटेन में आगे बढ़ाने का काम किया है।

मेयर बनने के बाद तुषार कुमार ने इसे अपने जीवन का सबसे सम्मानजनक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना और समाज को जोड़ने वाले कार्यक्रम आयोजित करना उन्हें हमेशा प्रेरित करता रहा है। तुषार की राजनीतिक यात्रा भी काफी कम उम्र में शुरू हो गई थी। किंग्स कॉलेज लंदन में पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने राजनीति में कदम रखा और मात्र 20 वर्ष की आयु में पहली बार टाउन काउंसलर चुने गए थे।

राजनीति के साथ-साथ तुषार भारतीय संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वह बोरहमवुड में भारतीय मूल के बच्चों के लिए निश्शुल्क हिंदी कक्षाएं संचालित करते हैं। इसके अलावा दिवाली, होली, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे भारतीय पर्वों और राष्ट्रीय आयोजनों को बड़े स्तर पर आयोजित कर भारतीय समुदाय को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास करते हैं।

तुषार कुमार की मां परवीन रानी भी स्थानीय राजनीति में सक्रिय रही हैं और पूर्व डिप्टी मेयर रह चुकी हैं। तुषार ने अपनी सफलता का श्रेय मां की प्रेरणा, परिवार के सहयोग और जनता के विश्वास को दिया है। उनकी उपलब्धि को ब्रिटेन में भारतीय समुदाय की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी और प्रभाव के रूप में भी देखा जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com